



पतंजलि विश्वविद्यालय University of Patanjali

उत्तराखण्ड विधान मण्डल द्वारा पारित पतंजलि विश्वविद्यालय अधिनियम संख्या 4, वर्ष 2006 के अन्तर्गत स्थापित
Established by Uttarakhand State Legislature Under the University of Patanjali Act No. 4, Year 2006

पत्रांक (Ref.) :

दिनांक (Date) :04.04.2025..

प्रेस विज्ञप्ति

पतंजलि विश्वविद्यालय में सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी पर आईपीएस अधिकारी तृप्ति भट्ट का विशेष व्याख्यान

हरिद्वार, 04 अप्रैल। पतंजलि विश्वविद्यालय में यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा और करियर से संबंधित विषयों पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। उत्तराखण्ड पीएसी 40वीं बटालियन की कमांडेंट तृप्ति भट्ट जो अपने पहले ही प्रयास में सिविल सेवा परीक्षा 2013 उत्तीर्ण कर आईपीएस बनीं। उन्होंने पतंजलि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी के लिए एक मजबूत और सकारात्मक अध्ययन माहौल (इकोसिस्टम) तैयार करना आवश्यक है। उन्होंने "पावर ऑफ कंसिस्टेंसी" यानी निरंतरता के महत्व पर जोर देते हुए बताया कि अनुशासन, आत्मविश्वास और धैर्य सफलता की कुंजी हैं। उन्होंने इस परीक्षा में मानसिक दृढ़ता, समर्पण और सही दृष्टिकोण के महत्व को रेखांकित किया।

उन्होंने विद्यार्थियों को समय प्रबंधन, विषय चयन, उत्तर लेखन कला, करंट अफेयर्स की तैयारी, मॉक टेस्ट की भूमिका और आत्ममूल्यांकन के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यूपीएससी परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए एक संगठित रणनीति अपनाना जरूरी है, जिसमें नियमित अध्ययन, रिवीजन और मानसिक मजबूती का विशेष योगदान होता है।

इस व्याख्यान सत्र में छात्रों ने यूपीएससी परीक्षा की रणनीति, अध्ययन सामग्री, वैकल्पिक विषय चयन, उत्तर लेखन तकनीक और साक्षात्कार की तैयारी से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे। तृप्ति भट्ट ने सभी प्रश्नों का विस्तार से उत्तर देते हुए छात्रों को अपने अनुभवों से प्रेरित किया और उन्हें तैयारी के दौरान आने वाली चुनौतियों से उबरने की सलाह दी।

पतंजलि विश्वविद्यालय के प्रति-कुलपति प्रो. मयंक कुमार अग्रवाल ने तृप्ति भट्ट को उनके प्रेरणादायक सत्र के लिए धन्यवाद दिया और इस तरह के सत्रों के आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया। इस व्याख्यान के माध्यम से विद्यार्थियों को न केवल यूपीएससी परीक्षा की तैयारी की महत्वपूर्ण जानकारी मिली, बल्कि वे एक सफल करियर के निर्माण के लिए भी प्रेरित हुए।

इस अवसर पर पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलसचिव आलोक कुमार सिंह, कुलानुशासक आर्षदेव, डीन आकादमिक डॉ. ऋत्विक् बिसारिया के साथ विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, संकायाध्यक्ष, संकाय सदस्य उपस्थित रहे।